मिगुएल के लिए एक टेडी बेयर

ऐलेन मैरी एल्फिन
चित्र : जोआन सैंडिन

मिगुएल के लिए एक टेडी बेयर

ऐलेन मैरी एल्फिन
चित्र : जोआन सैंडिन

मिगुएल के लिए एक टेडी बेयर

ऐलेन मैरी एल्फिन
चित्र : जोआन सैंडिन

विषय-वस्तु

उत्तरी
अमेरिका

NORTH
AMERICA

El Salvador

अल साल्वाडोर

दक्षिण
अमेरिका

SOUTH
AMERICA
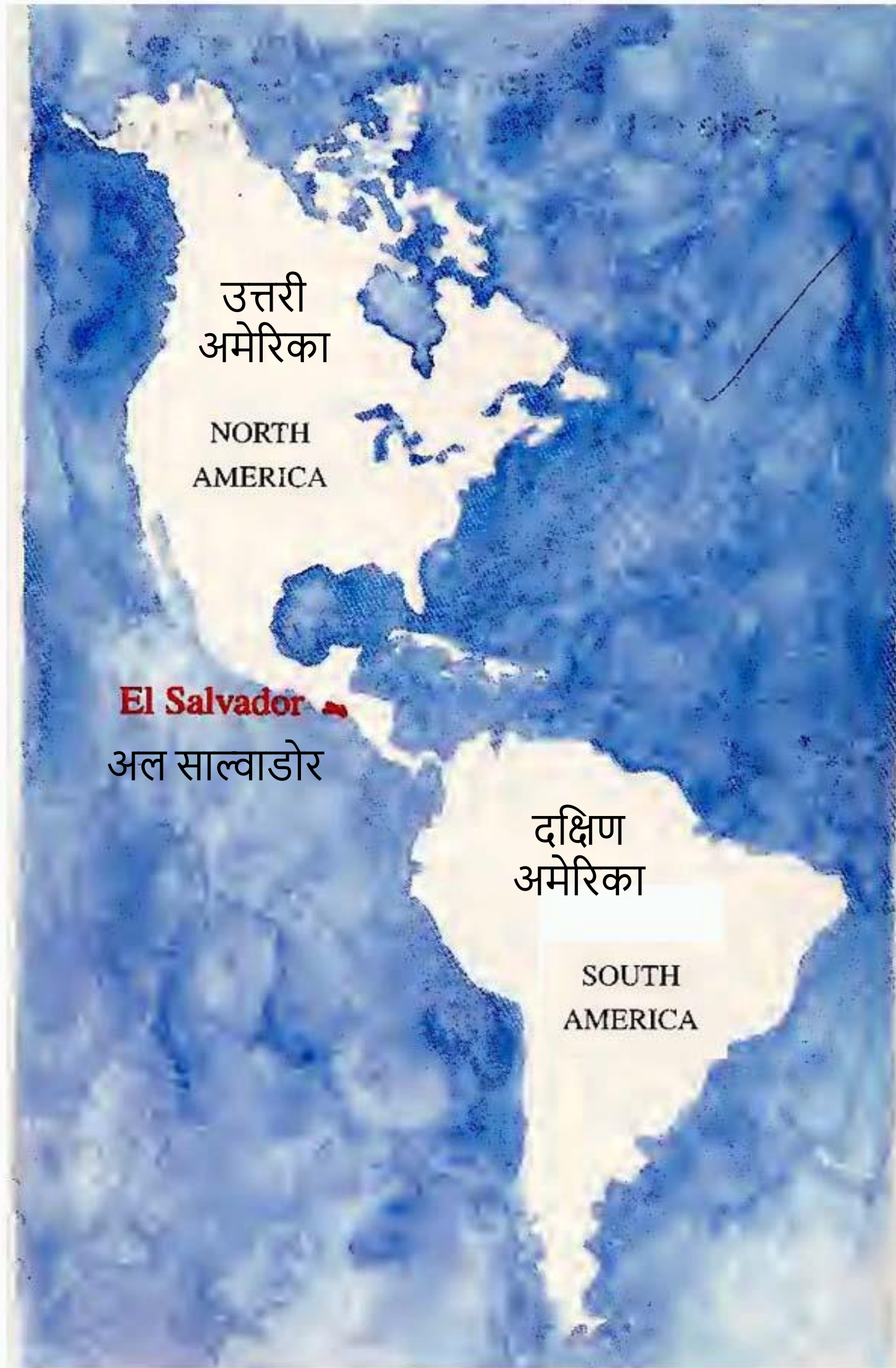
गुरिल्ले - स्वतंत्र सैनिकों के समूह होते हैं जो सरकार की सेना पर अचानक हमले करते हैं.

बाजार का दिन

आज अल सल्वाडोर के एक छोटे से गाँव फेलिसिडैड में, बाज़ार का दिन था.

"पाको! जल्दी करो!" मारिया ने अपने रुई से भरे भालू (टेडी बेयर) से कहा. "हम पापा के साथ बाजार जा रहे हैं."
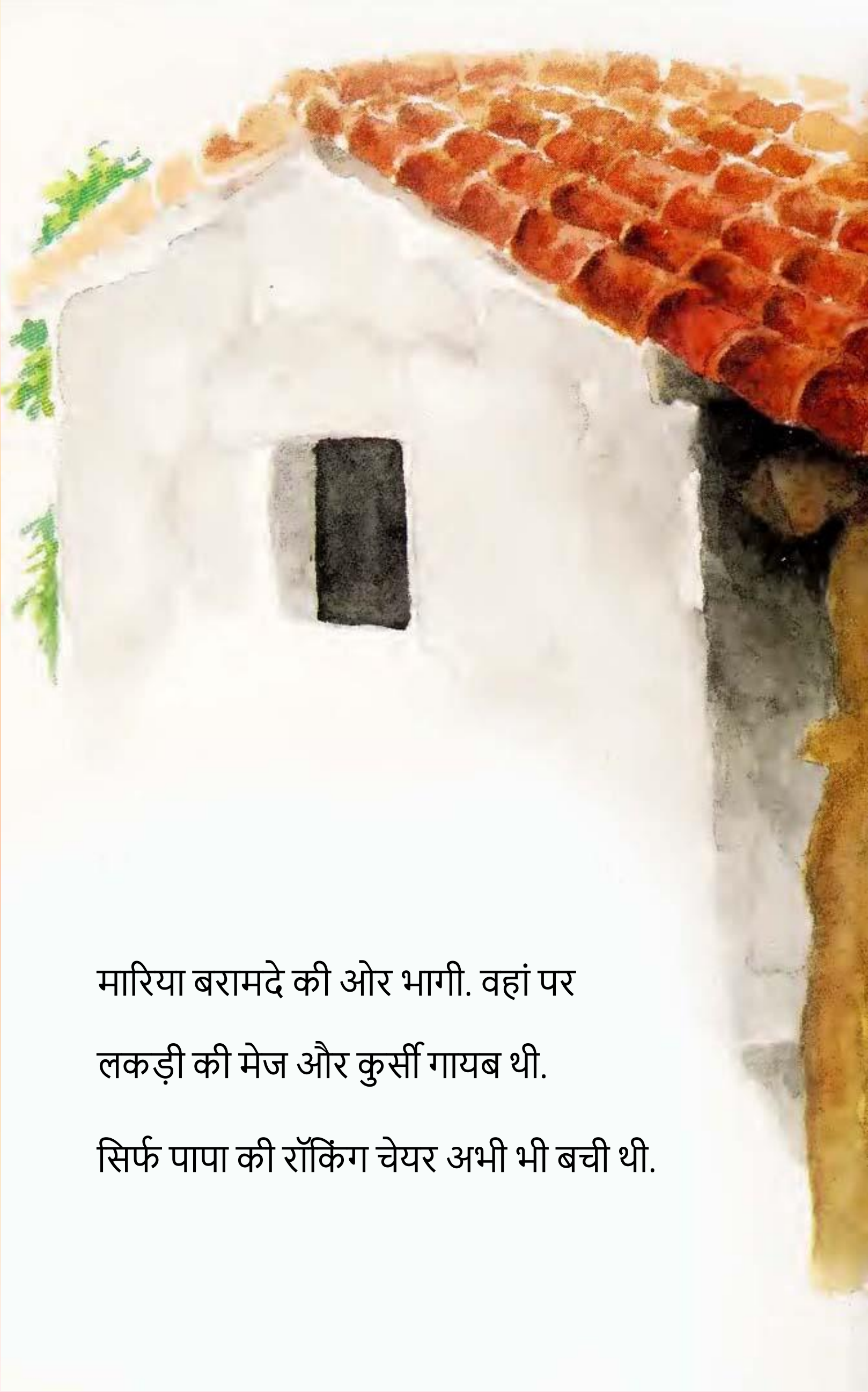
मारिया बरामदे की ओर भागी. वहां पर

लकड़ी की मेज और कुर्सी गायब थी.

सिर्फ पापा की रॉकिंग चेयर अभी भी बची थी.

"हम यह नहीं पूछेंगे कि माँ कहाँ बैठेंगी,"

मारिया ने पाको से कहा. "पर पिताजी की

गोद में हमारे लिए बैठने जगह ज़रूर होगी."

"मारिया, तुम कहाँ हो?" पापा ने पूछा.

"पापा," वो चिल्लाई. "रुकें! मेरे बिना नहीं जाएँ!"
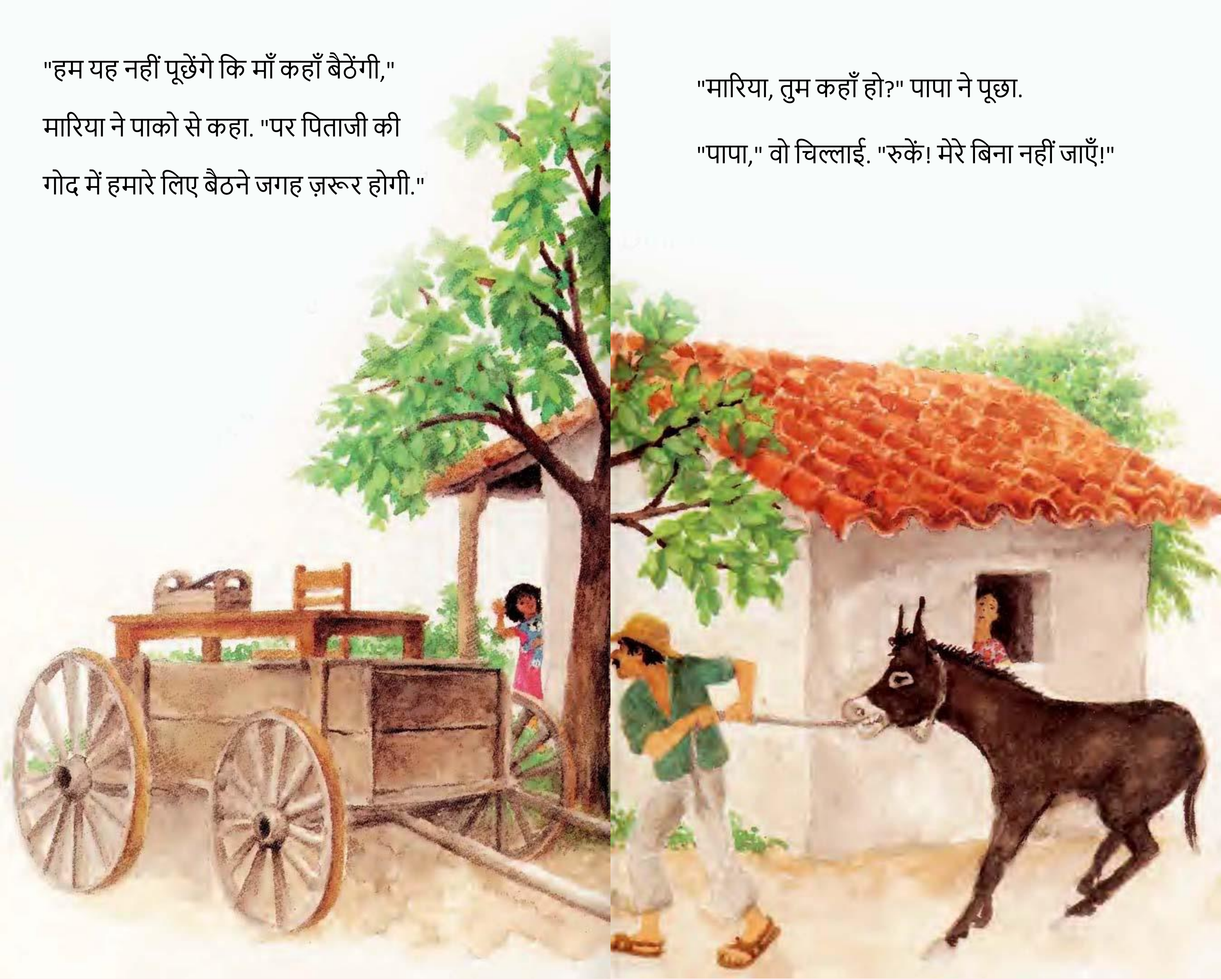
मारिया, पापा की वैगन में चढ़ गई. उसने वैगन में पापा के पुराने औजार रखे देखे. पापा उनके बिना कैसे काम करेंगे?

"हम अभी नहीं जा सकते हैं," पापा ने कहा.

"तुम्हारी माँ अभी भी कुछ कह रही हैं."

माँ ने गुस्से में कहा.

"देखो, यह कोई मज़ाक नहीं है," उन्होंने कहा.

"बाजार में तुम्हें बच्चों के लिए दूध खरीदने की करने की कोशिश करनी चाहिए, साथ में कुछ मक्खन और अंडे भी."
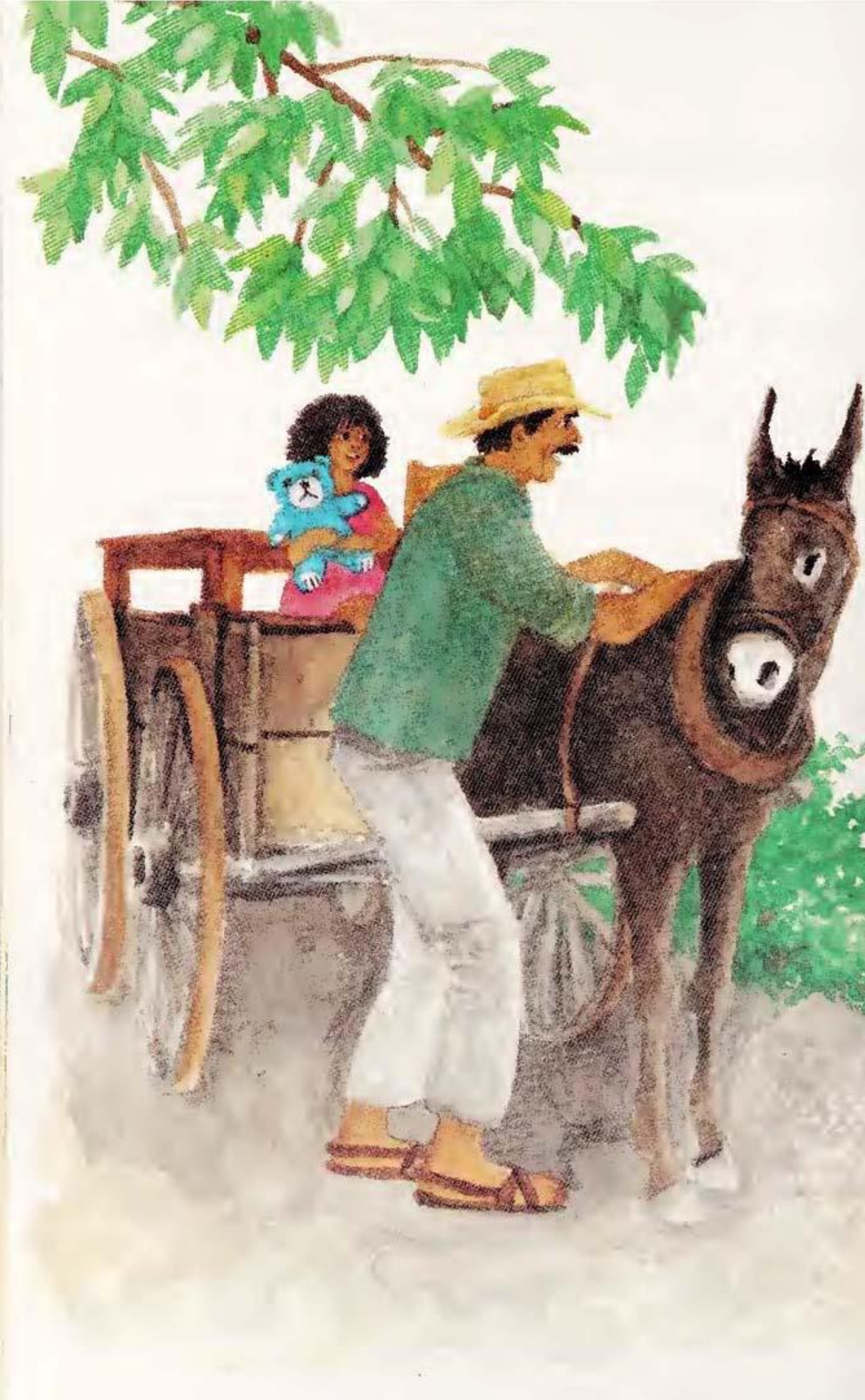
माँ ने छोटे बच्चे टीनो को उठाया और आह भरी.

"अगर हमारे पास कुछ मुर्गियां होतीं," उन्होंने कहा.

"मुझे पता है," पापा ने कहा, और वो हँसे. "एक गाय और भी अच्छी होती, और एक घोड़ा, इस पुराने खच्चर से अच्छा होती."

"देखो, यह कोई मजाक नहीं है!"

माँ ने कहा. "मैं उम्मीद कर रही हूं कि कोई हमारी चीजों को ज़रूर खरीदेगा."

"माँ," मारी ने कहा. "चिंता मत करो, कोई हमारा सुंदर मेज़पोश ज़रूर खरीदेगा."

"और कोई रंगीन पक्षियों वाला शॉल, और हमारी मेज और कुर्सी भी ज़रूर खरीदेगा," पापा ने कहा.

"और पापा के पुराने औजार भी," मारिया ने कहा.

"बेशक, कोई हमारी चीजें ज़रूर चाहेगा," पापा ने माँ से कहा. "और अगर वो दूध का व्यापर करता होगा, तो उसके पास बहुत सारा दूध और मक्खन भी होगा."

"आटा याद रखना," माँ ने ज़ोर से कहा, "और थोड़ी चीनी भी लाने की कोशिश करना!"

"माँ," मारिया चिल्लाई.

"हमें सब कुछ लाने की कोशिश करेंगे!"

अध्याय 2

छापामार गुरिल्ले

जैसे ही वैगन कच्ची सड़क पर दौड़ी, पापा ने अपना सिर हिलाया.

"हम वो सब कुछ लाने की कोशिश करेंगे जो तुम्हारी माँ चाहती हैं, लेकिन हमें अपनी चीजों को बेंचना मुश्किल होगा."

"लेकिन हमें बाजार से वो सभी चीजें चाहिए,"

मारिया ने कहा.

"हमें चीजों की जरूरत है," पापा ने कहा, "लेकिन

हमारे पास उन्हें खरीदने के लिए कुछ अच्छी चीज़ें

भी होनी चाहिए.
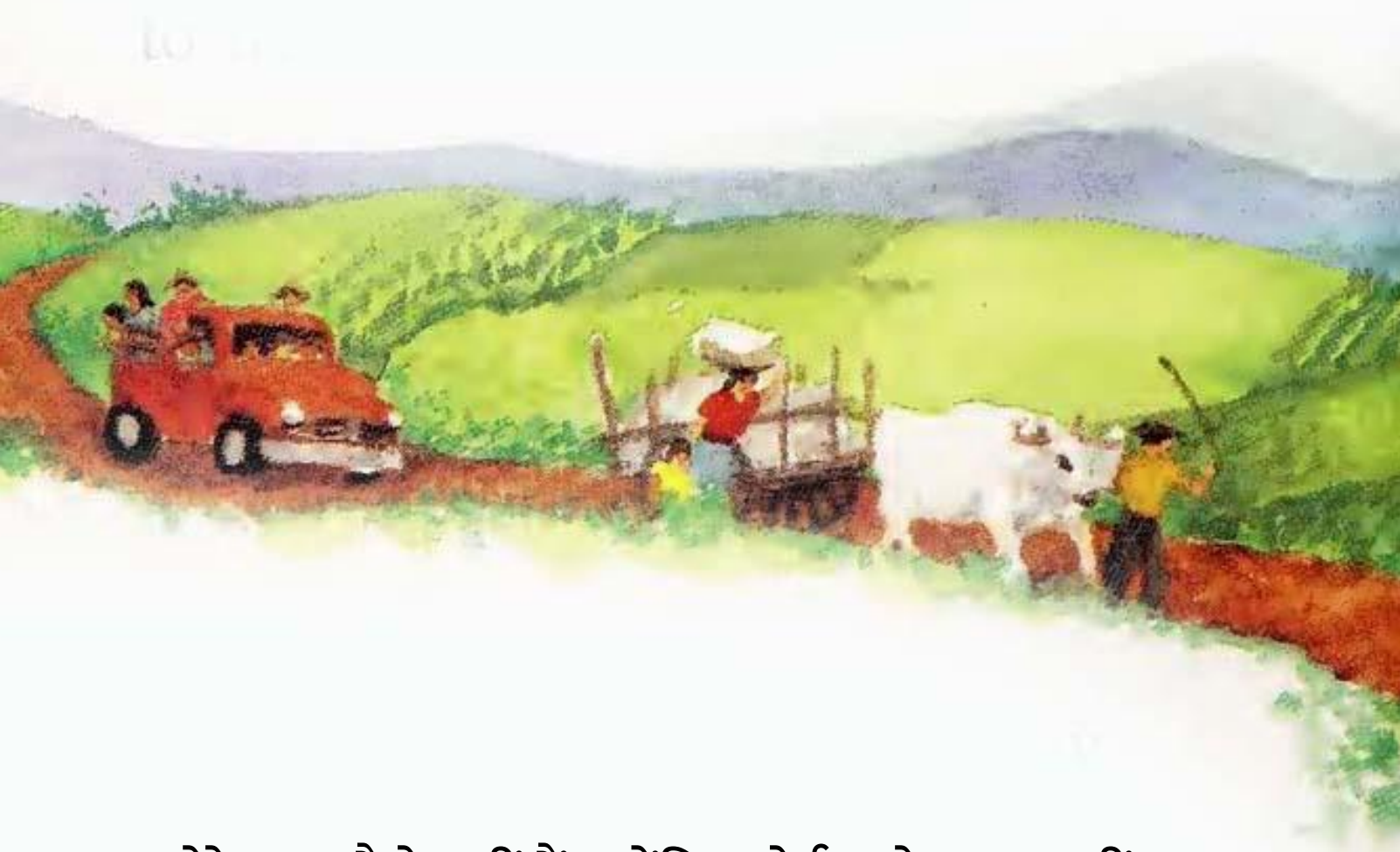
मेरे पास पैसे नहीं हैं क्योंकि कोई मुझे काम नहीं

मिल रहा है. अगर मैं सरकारी कारखाने में काम

करूंगा, तो छापामारों गुरिल्ले मुझे सजा देंगे.

लेकिन, अगर मैं छापामारों की मदद करने वाले लोगों

के लिए काम करूंगा तो सरकार मुझे गिरफ्तार कर

लेगी. इसलिए हमें बाजार से चीजें खरीदने के लिए

पहले अपनी चीज़ों को बेंचना पड़ेगा."

"पापा, काश मैं कुछ मदद कर पाती," मारिया ने धीरे से कहा.

पापा ने मुस्कुराकर उसे गले लगा लिया.

"लेकिन तुम मदद करती तो हो!" उन्होंने कहा.

"तुम और तुम्हारा छोटा टेडी बेयर मुझे हंसाता है."

पापा ने छापामारों को पीछे छोड़ते हुए फेलिसिडैड के बाजार चौक में प्रवेश किया.

"छापामार गुरिल्ले, मतलबी नहीं दिखते हैं," मारिया ने कहा.

"जैसे ही हम आगे बढ़ रहे थे, वे मुझ पर मुस्कुराए. लेकिन पाको को उनकी बंदूकें पसंद नहीं आईं."

अध्याय 3
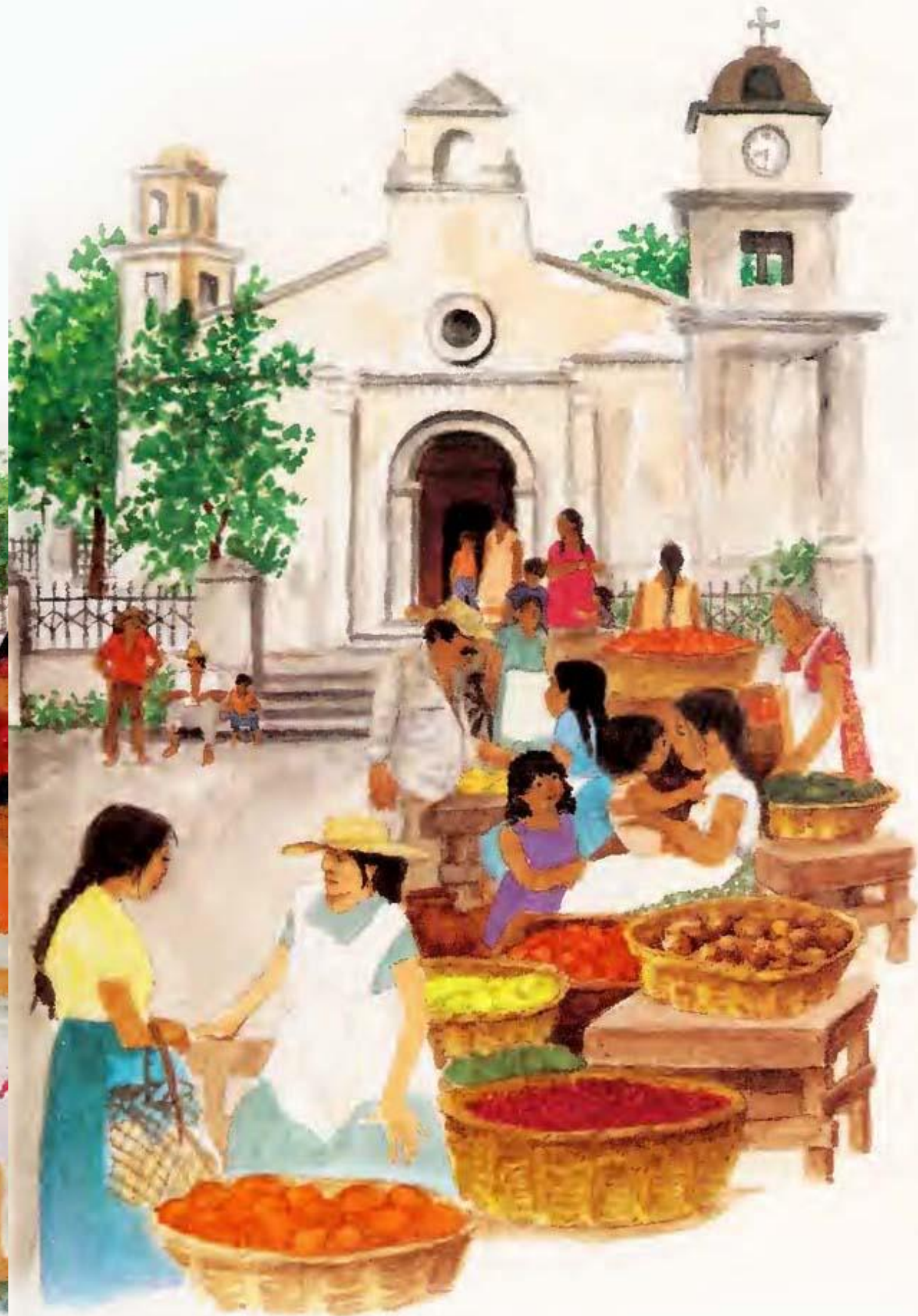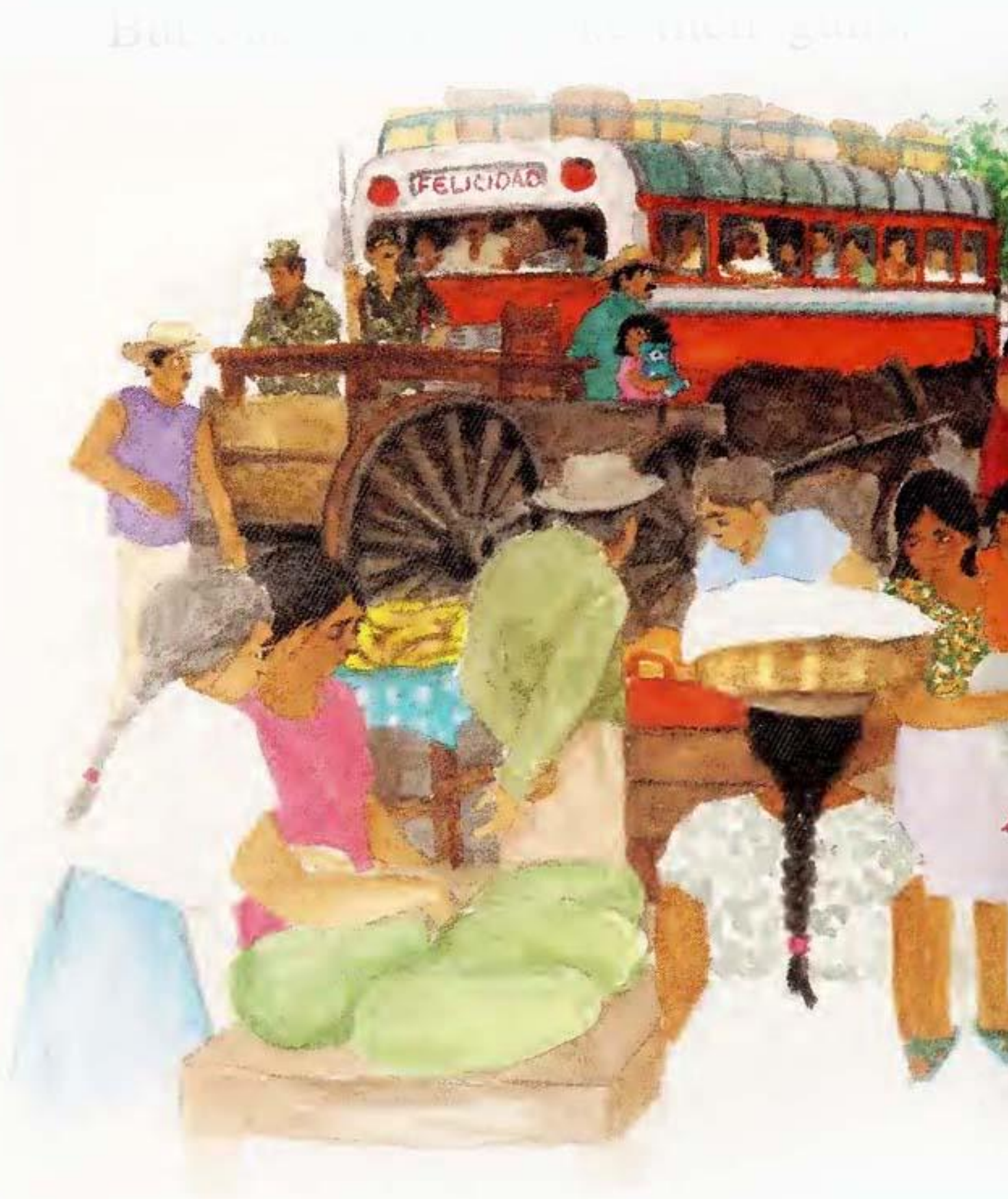
कठिन सौदेबाज़ी
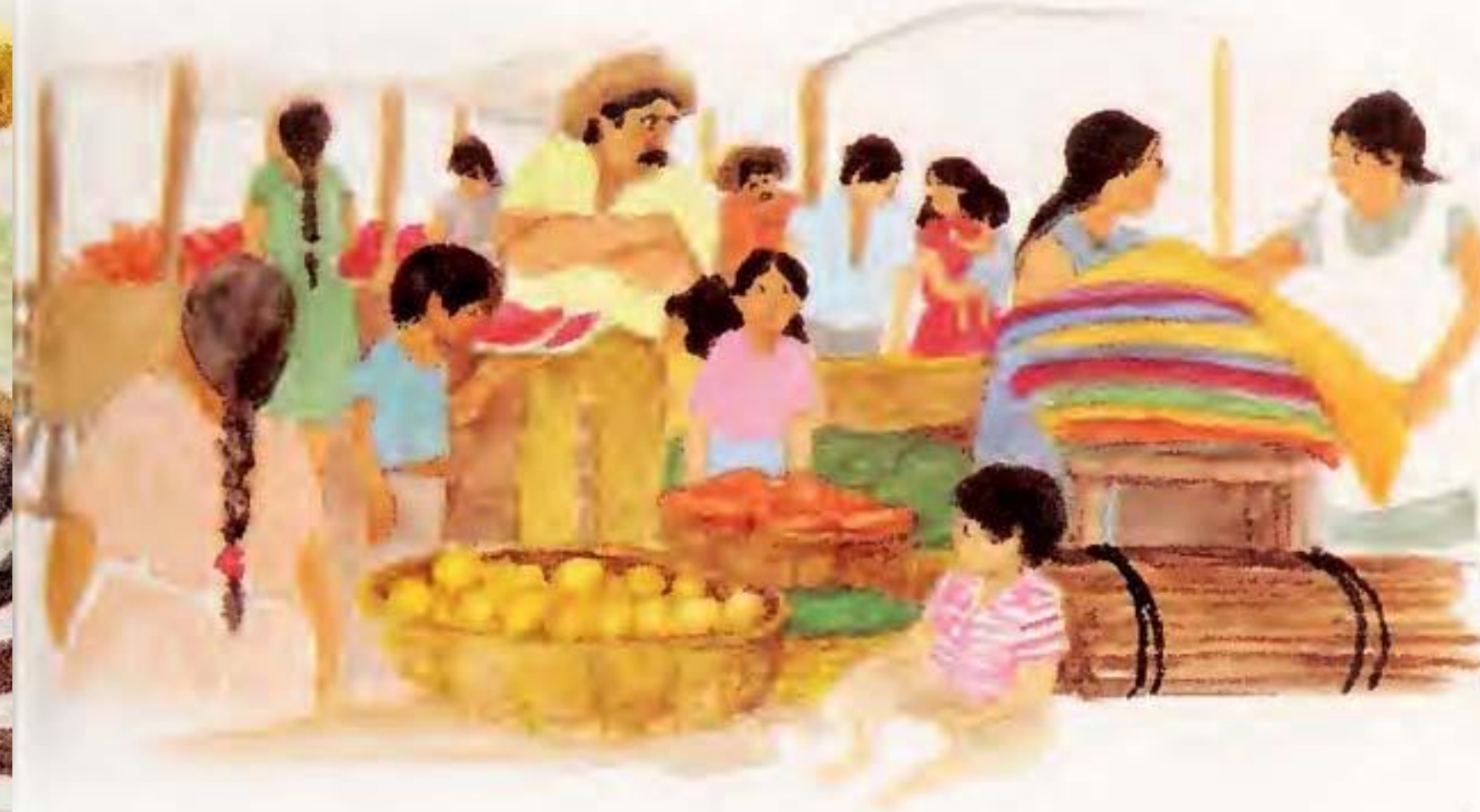
बाजार में मारिया ने पाको से कहा, "देखो, हम अपने परिवार की मदद के लिए क्या कर सकते हैं? सिर्फ पापा को हंसाना ही काफी नहीं है."

फिर उसने आशा से लोगों की ओर देखा.

एक आदमी ने उनके मेज़पोश को देखा. "सुंदर," उसने कहा.

"क्या आपको वो अपनी पत्नी की मेज के लिए चाहिए?" पापा ने पूछा.

"मैं इसके बदले में तुम्हें आटे की एक बोरी दूंगा," उस आदमी ने कहा.

पापा ने हाँ में सिर हिलाया.

"और साथ में कुछ चीनी भी," उस आदमी ने कहा.

पापा ने कहा "बढ़िया, मुझे यह सौदा मंज़ूर है!"

पापा ने उसे मेज़पोश दिया. फिर आटे के बोरे और चीनी को, अपनी गाड़ी में डाल दिया.

"माँ खुश होंगी," मारिया ने कहा.

"उन्होंने उसे सिलने के लिए देर रात तक काम किया था."

"यह एक अच्छी शुरुआत है," पापा ने कहा.

सूरज गर्म हो रहा था.

फिर, एक और आदमी उनके पास आया.

"यह कुर्सी," उसने कहा. "मैं तुम्हें उसके लिए ये फलियाँ और कुछ मकई दूँगा."

"ठीक है," पापा ने कहा.

तभी एक अन्य आदमी ने पापा से बात की.

"यह आदमी मेरे औजारों के लिए दो मुर्गियां और एक बढ़िया नया फ्राइंग पैन देने को तैयार है," पापा ने मारिया को बताया.

"वो एक ऐसे किसान को भी जानता है जो मुझे कुछ काम दे सकता है. मैं उससे जाकर मिलूंगा"
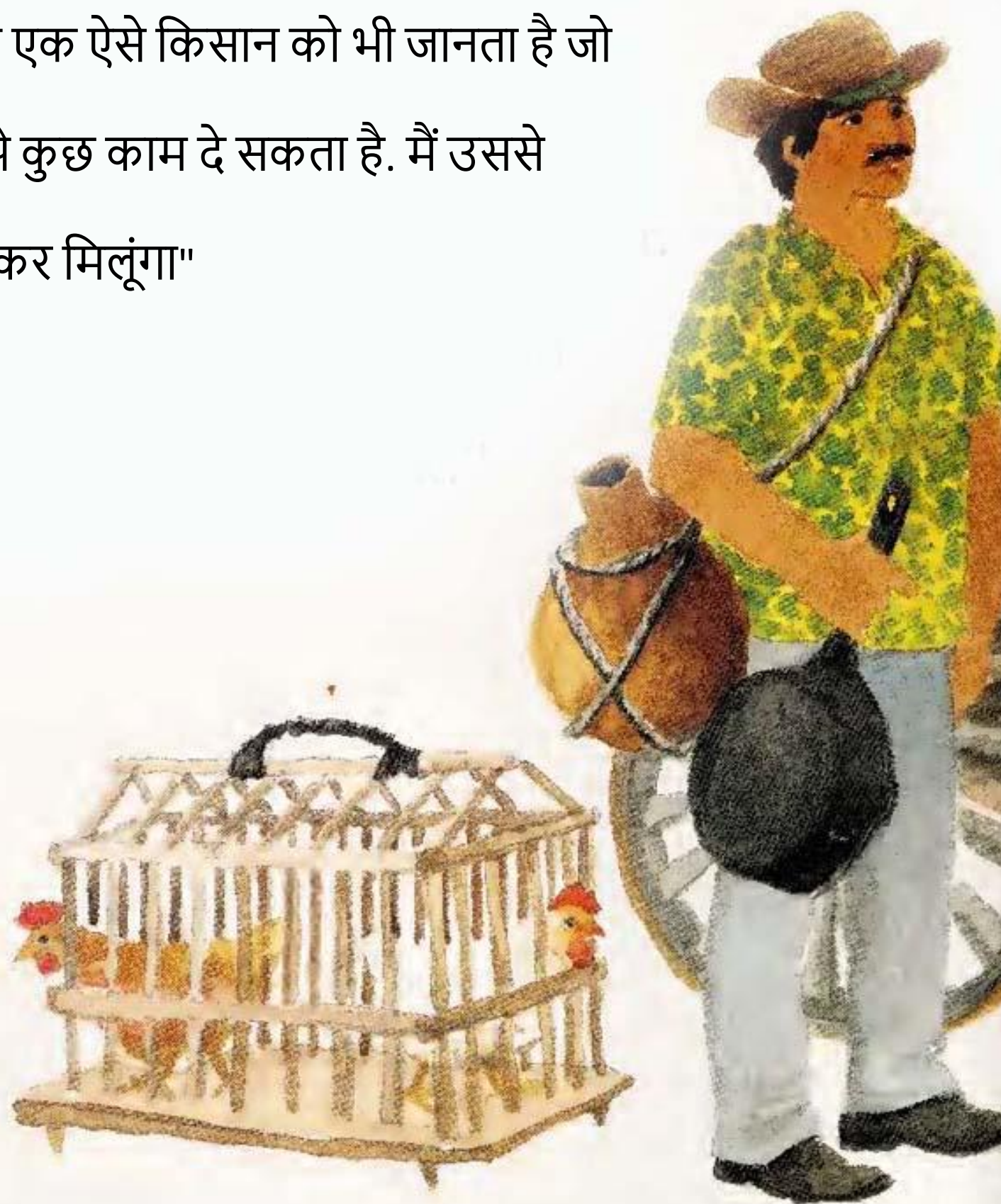
"दूध के बारे में क्या?" मारिया ने पूछा. "और मक्खन और अंडे?"

पापा ने हंसते हुए कहा, "मारिया, हम पहले ही अपनी काफी चीज़े बेंच चुके हैं!"

"हमारे पास केवल टेबल और शॉल ही बचा है," मारिया ने पाको से कहा. "हमें वो दूध कैसे मिलेगा जो माँ, बेबी के लिए चाहती हैं?"

धूप तेज हो गई, लेकिन पापा नहीं लौटे.

"किसी को शॉल चाहिए," मारिया ने पाको से कहा.

"रुको! शायद यहाँ से किसी को शाल दिखेगा ही नहीं." फिर मारिया ने शॉल को वैगन के ऊपर फैला दिया.
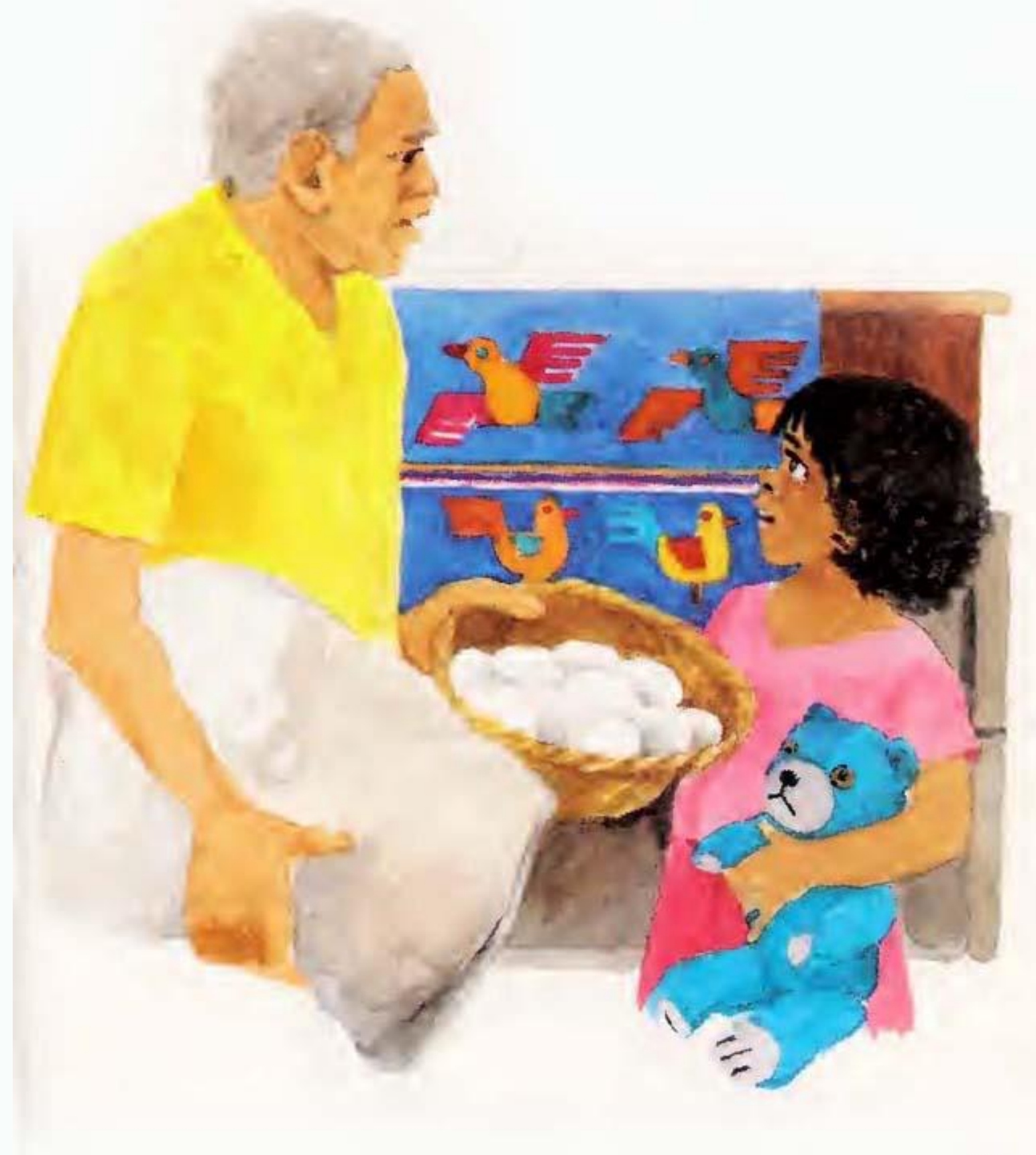
एक आदमी ने शाल पर कढ़े चमकीले पक्षियों को देखा.

"सुंदर," उसने कहां. "मैं उसके बदले में तुम्हें यह अंडे दूंगा."

मारिया ने पाको का हाथ दबाया. फिर उसने पापा की तरह सिर हिलाया,

"तुम इस तरह का व्यापर करने के लिए अभी बहुत छोटी हो!" उस आदमी ने कहा. "इसलिए साथ मैं तुम्हें में यह आटा भी दूंगा."

मारिया ने सिर हिलाया.

"आपका धन्यवाद. यह एक बढ़िया सौदा है!" उसने पाको के पंजे पर ताली बजाई.

"हमें कुछ और आटा और अंडे मिले हैं! पापा को बहुत गर्व होगा!"

अध्याय 4

दूध और मक्खन

एक युवा जोड़ा दूध के डिब्बों से भरी गाड़ी को खींचकर मारिया के ऊपर से गुजरा.

"आज तुम्हारे पास क्या है?" आदमी ने विनम्रता से पूछा.

"हमारे पास यह मेज़ है," मारिया ने कहा.

"हमें एक मेज़ चाहिए," आदमी ने कहा.

उसकी पत्नी ने हाँ में सिर हिलाया.

मारिया समझ गई कि उसे टीनो के लिए दूध मिल जाएगा.

फिर महिला का चेहरा खिल उठा.

"ज़रा देखो! यह मिगुएल के लिए!"

मारिया, तेज धूप में एकदम जम गई.

वो पति-पत्नी, पाको को घूर रहे थे.

"हमारे बेटे ने हमसे एक टेडी बेयर लाने की भीख माँगी है," आदमी ने कहा.

"क्या तुम हमसे अपने टेडी बेयर का व्यापार करोगी?"

मारिया कहना चाहती थी कि पाको उसका दोस्त था और वो उसके बिना रह नहीं सकती थी.

"मैंने मिगुएल के लिए एक भालू बनाने की कोशिश की थी," महिला ने कहा, "लेकिन वो केवल कपड़े का था. मिगुएल ने कहा कि वो असली भालू नहीं था.

मिगुएल को सैनिकों ने चोट पहुंचाई.

अब वह दौड़ और खेल नहीं सकता है.

वो केवल एक खिलौने वाला भालू चाहता है.

हमने कई जगह तलाश की है, लेकिन दुकानों में उसकी कीमत बहुत अधिक थी."

"मिगुएल हमारा इकलौता बेटा है," आदमी ने कहा. "अगर दुकान से खरीदने की मेरी औकात होती तो मैंने उसे कब का खरीद लिया होता, लेकिन ..."

मारिया ने बेबी टीनो के बारे में सोचा. क्या बन्दूक वाले सैनिक कभी उसके घर भी आएंगे?

"तुम उसके लिए क्या लोगी?" महिला ने पूछा.

"उस टेडी बेयर के लिए?" महिला की आवाज में आशा थी.

"इस मेज और भालू के लिए," मारिया ने धीरे से कहा.
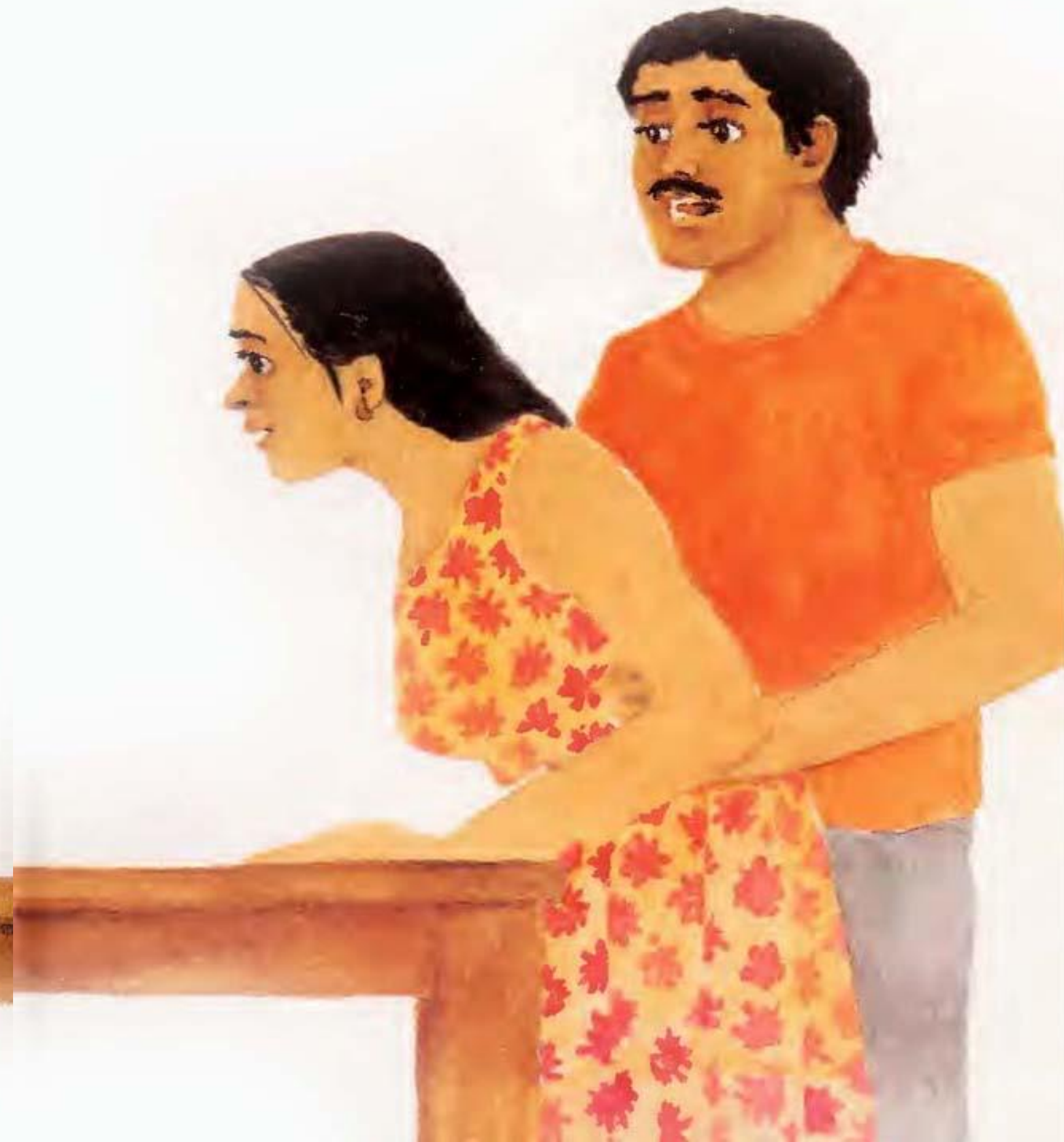
उस आदमी ने कहा, "दो पाउंड मक्खन, चार पाउंड पनीर और दूध."

महिला चौंक गई और बोली,

"हम उनके लिए इतना नहीं दे सकते."

उस आदमी ने कहा, "मिगुएल के लिए, हम वो ज़रूर कर सकते हैं."

"ठीक है," मारिया ने कहा.

फिर उसने अपना भालू महिला को दे दिया.

"मैं उसे पाको बुलाती हूँ," मारिया ने कहा. "मिगुएल उसे कोई दूसरा नाम दे सकता है."

"धन्यवाद," महिला ने कहा. मारिया को महिला के हाथों में पाको को देखकर अच्छा नहीं लगा.

अध्याय 5

घर वापसी

दूध और पनीर और मक्खन और अंडे देखकर

पापा नाचने लगे.

"बहुत बढ़िया!" वो चिल्लाए.

"मुझे तुम्हें हर बार बाजार में लाना चाहिए!"
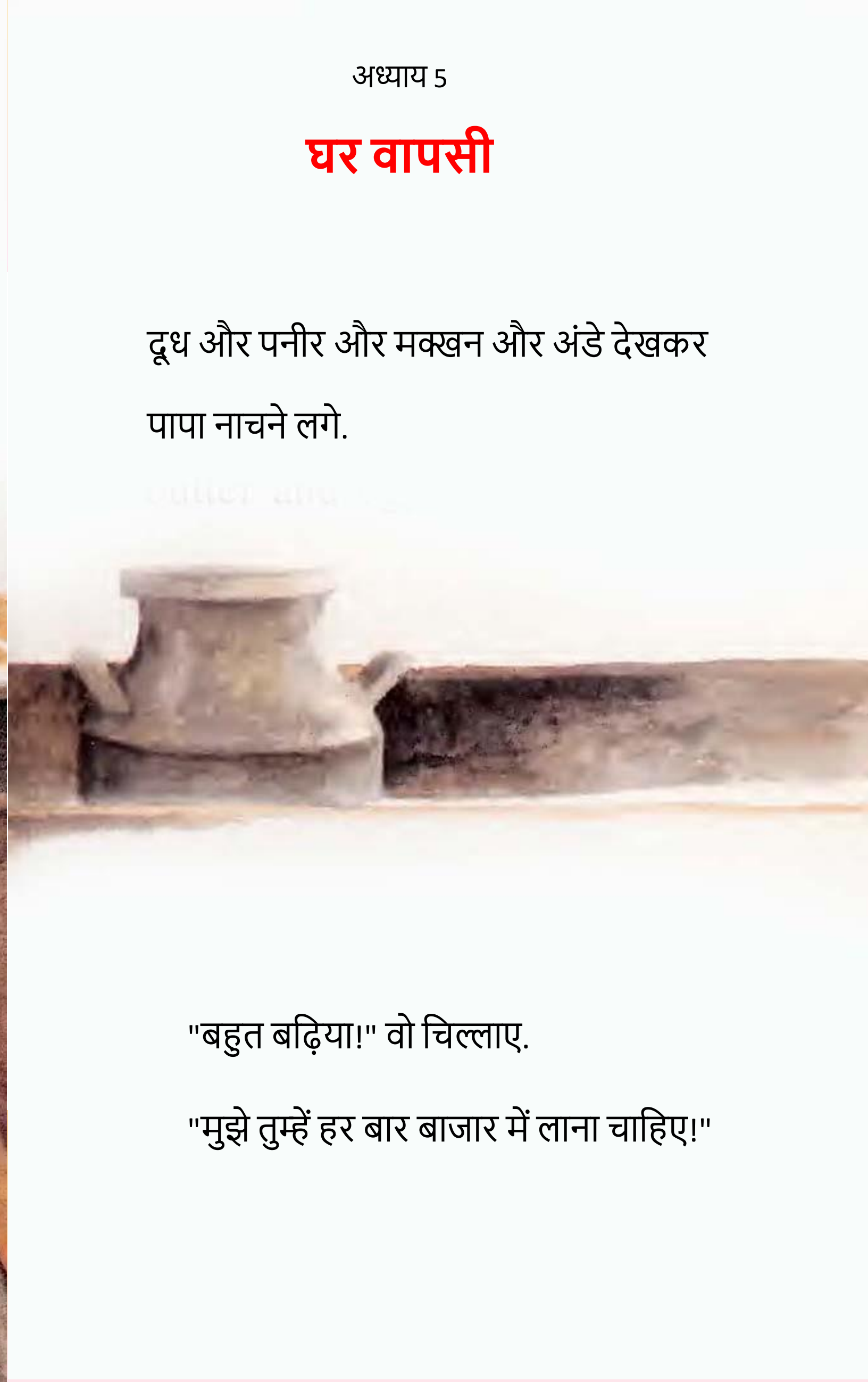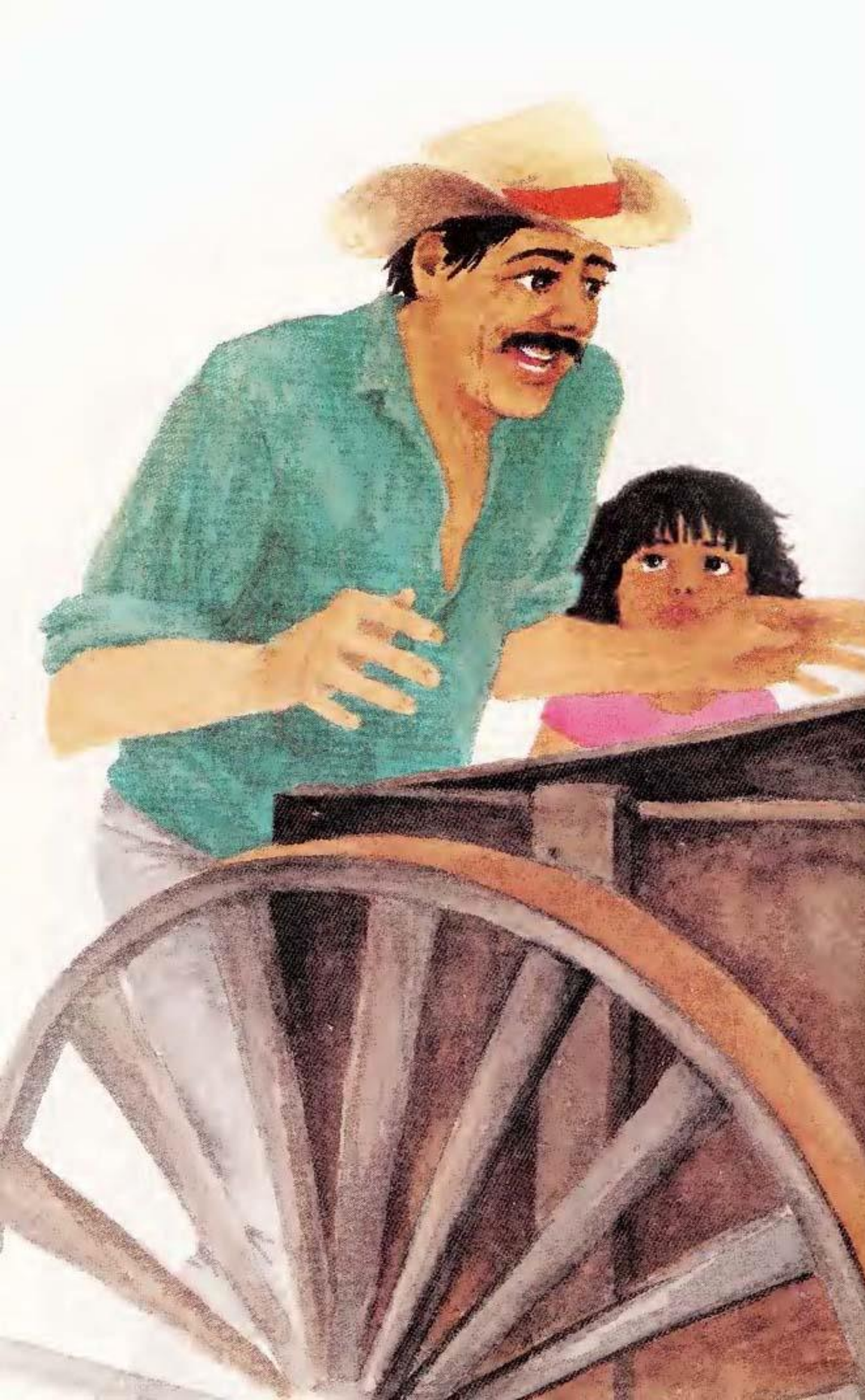
फिर पापा ने मरिया से पूछा, "तुम्हारा नन्हा भालू कहाँ है? क्या तुमने उसे खो दिया है?"

मारिया ने आंसू रोकने की बहुत कोशिश की.
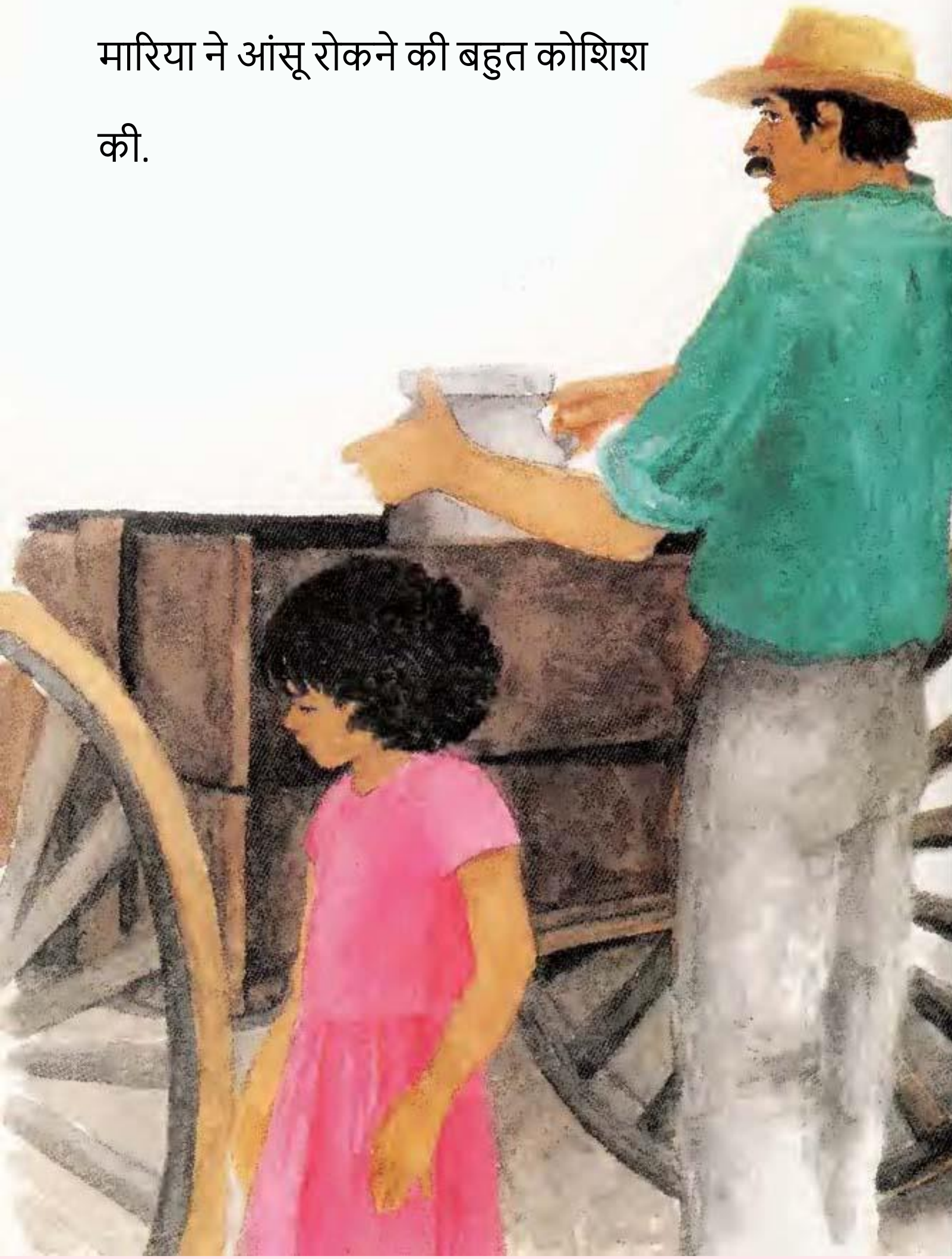
"एक छोटा लड़का था," मारिया ने कहा. "उसकी माँ ने कहा कि उसे एक भालू की बहुत जरूरत थी. क्योंकि वो अब दौड़ और खेल नहीं सकता था."

"तो इस तरह तुमने बढ़िया सौदा किया," पापा ने कहा, और फिर उन्होंने एक आह भरी.

"मारिया, क्या तुम पक्की तौर पर अपने टेडी बेयर का व्यापार करना चाहती हो?" पापा ने पूछा.

"नहीं तो मैं अभी भी दौड़कर तुम्हारा भालू वापस ला सकता हूँ?"

मारिया ने मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन वो मुस्कुरा नहीं पाई.

"मिगुएल को भालू की बहुत जरूरत है, और मैं अब उस खिलौने से खेलने के लिए बहुत बड़ी हो गई हूं," उसने कहा.

"अब मुझे अपने परिवार की मदद करनी चाहिए."

पापा ने उसे अपने गले लगाया और कहा, "मारिया, तुम हमारे परिवार का दिल हो."

घर वापस जाते समय मारिया, पापा के शरीर से सटकर बैठी. उसे अपने प्यारे पाको की बहुत याद आ रही थी.

उसने माँ के बारे में सोचा.

वो काम करते-करते कितनी झुंझला गई थीं.

"जब माँ वो दूध, पनीर और मक्खन को देखेंगी, तब वो मुस्कराएंगी," मारिया ने कहा.

"मुझे भी ऐसा ही लगता है," पापा ने कहा.

मारिया ने सोचा कि पापा ने माँ और टीनो को हंसाने की कोशिश की. पर इस समय पापा मुस्कुरा नहीं रहे थे.

मारिया ने पापा को फिर से गले लगाया.

अपने दिल में मारिया ने एक छोटे लड़के को पाको के साथ खेलते हुए देखा.

उसने देखा कि उस छोटे लड़के के चेहरे पर खुशी चमक रही थी.

और फिर मारिया भी मुस्कुरा दी.
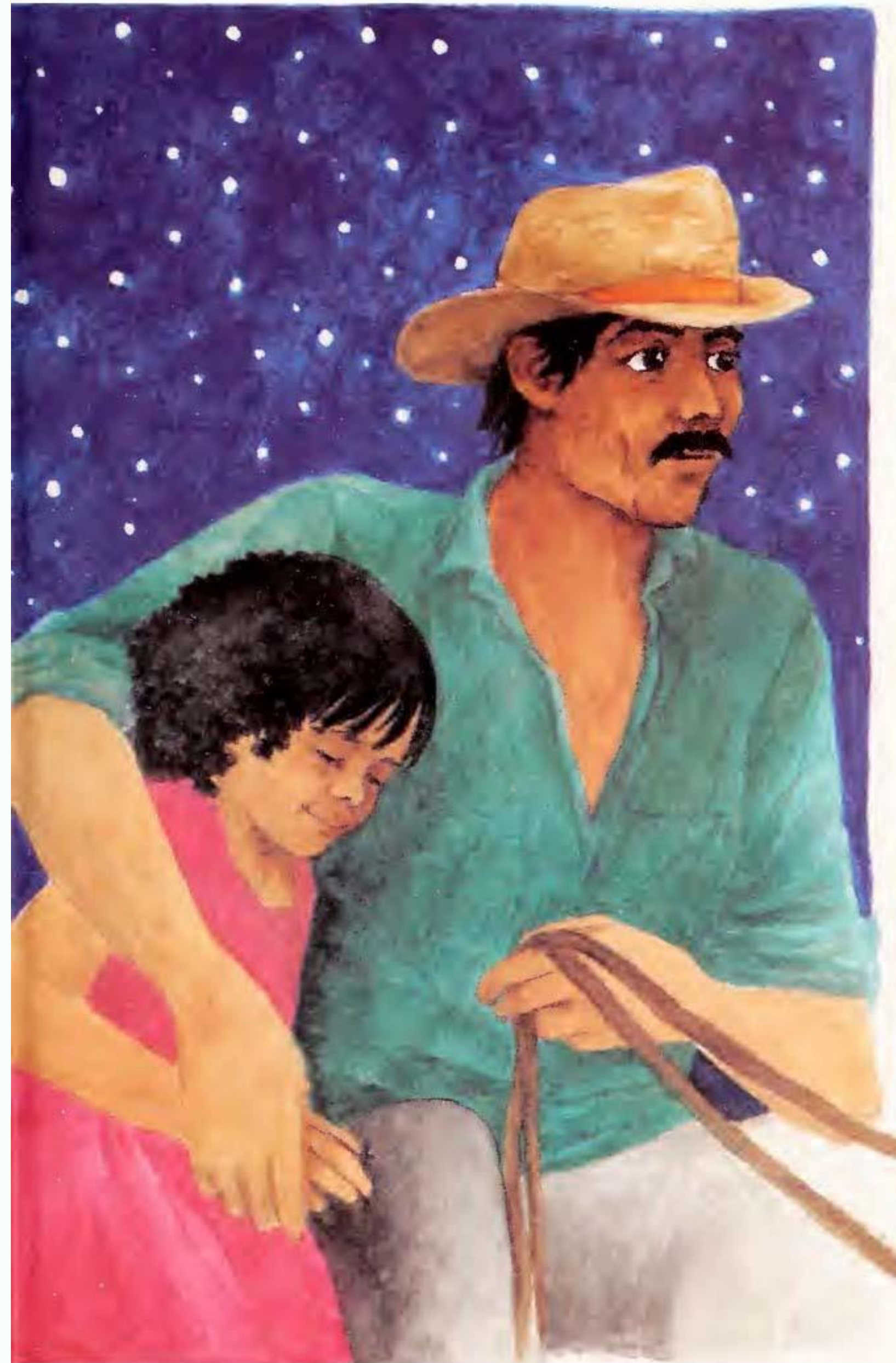
लेखक का नोट

1980 के दशक में अल सल्वाडोर के लोग युद्ध के बीच जी रहे थे. यह युद्ध सरकारी सेना, और विद्रोही सैनिकों (गुरिल्लों) के समूहों के बीच लड़ा जा रहा था जो सरकार को बदलना चाहते थे. गुरिल्ला कहे जाने वाले इन विद्रोही सैनिकों का मानना था कि सरकार ने गरीब लोगों की समस्याओं की अनदेखी की थी, जबकि सेना सरकार का बचाव कर रही थी.

गुरिल्ला युद्ध के अंतर्गत खेतों, गांवों और शहर की सड़कों पर लड़ाइयाँ लड़ी गईं. गुरिल्ले छापामार ग्रामीण इलाकों में छिप जाते थे और सेना के सैनिकों पर अचानक हमला करते थे. आम लोग जो सैनिक नहीं थे वे भी अक्सर इन हमलों में फंस जाते थे. इसलिए कुछ लोग अल-सल्वाडोर छोड़कर भाग निकले, और उनमें से कई अमेरिका चले गए.

1990 के दशक में, अल सल्वाडोर ने अंततः एक नई सरकार बनी जिसमें गुरिल्ला और सेना के सैनिक दोनों शामिल हुए.